भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 200 का उत्तर

रेलगाड़ियों में अत्यधिक भीड़

***200. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को रेलगाड़ियों में अत्यधिक भीड़ की समस्या की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने प्रमुख रेलगाड़ियों में सामान्य तथा शयनयान श्रेणी के डिब्बों की संख्या में कमी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत दस वर्षों के दौरान देश भर में एक्सप्रेस ट्रेनों में सामान्य, शयनयान तथा वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बों की संख्या में की गई वृद्धि/कमी का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक रेल कोच फैक्ट्री में बनाए गए सामान्य/शयनयान/वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बों की संख्या का ब्यौरा क्या है तथा वर्ष 2025-26 के दौरान कितने रेल डिब्बे बनाने की योजना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 12.03.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 200 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): भारतीय रेल में, रेलगाड़ियों का अधिभोगिता स्वरूप पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहता है तथा यह कम व्यस्त और व्यस्त अवधियों के दौरान बदलता रहता है। अधिक व्यस्त अवधि के दौरान, विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर रेलगाड़ियों की अधिभोगिता पूरी रहती है, जबकि कम व्यस्त अवधि के दौरान तथा कम लोकप्रिय मार्गों पर, रेलगाड़ियों की अधिभोगिता कम होती है।

भारतीय रेल पर चलने वाली रेलगाड़ियों के यातायात स्वरूप की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है तथा अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, परिचालनिक व्यवहार्यता के अध्यधीन, मौजूदा रेलगाड़ियों में डिब्बों की संख्या बढ़ाई जाती है, स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं, मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए जाते हैं।

भारतीय रेल, यात्रियों को अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयास में, विभिन्न प्रकार की नियमित रेलगाड़ियों के अलावा, यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान स्पेशल रेलगाड़ी सेवाएं भी परिचालित करती है।

तदनुसार, वर्ष 2024 के दौरान, होली और ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्पेशल रेलगाड़ियों के 13523 फेरे परिचालित किए गए। दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान भीड़ की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवित करने के लिए 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान स्पेशल रेलगाड़ियों के 7990 फेरे परिचालित किए गए।

हाल ही में संपन्न महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधा के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने 13 जनवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 की अवधि के दौरान 17300 से अधिक रेलगाड़ियों का परिचालन किया तथा लगभग 4.24 करोड़ यात्रियों को सेवित किया।

उपरोक्त के अलावा, विभिन्न वर्गों के यात्रियों के लिए अतिरिक्त स्थान सृजित करने के लिए, स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर, रेलगाड़ियों में सवारी डिब्बों की संख्या भी बढ़ाई जाती है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, स्थायी आधार पर रेलगाड़ी सेवाओं में बढ़ोतरी के लिए 872 सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है, जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान (फरवरी, 2025 तक), स्थायी आधार पर रेलगाड़ी सेवाओं में बढ़ोतरी के लिए 983 सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

इसके अलावा, सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान उपलब्ध कराने के लिए, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना से संबंधित मौजूदा नीति के अंतर्गत 22 सवारी डिब्बों वाली गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, वर्तमान में गाड़ी सेवाओं के चालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित हैं और एक-तिहाई वातानुकूलित प्रकार के हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित अमृत भारत सेवाएं शुरू की हैं, जो उन्नत विशेषताओं जैसे झटका मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, क्षैतिज स्लाइडिंग खिड़कियां, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि से सुसज्जित हैं। ये सेवाएं, पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित गाड़ियां हैं और इनमें वर्तमान में 12 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे और 8 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे शामिल हैं, जो यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

अनारक्षित सवारी डिब्बों में स्थान बढ़ाने और उनमें यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, चालू वित्त वर्ष के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में लगभग 1200 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने 17,000 से अधिक सामान्य श्रेणी/शयनयान श्रेणी (गैर-वातानुकूलित) सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान (फरवरी 2025 तक), रेल डिब्बा कारखानों ने 6485 सवारी डिब्बे विनिर्मित किए हैं।

*****